पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 2, अंक 22 | माह - जनवरी 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥विचार संस्था॥

(स्थापना वर्ष 2003)

विचार संस्था और आईएसआरएन के संयुक्त तत्वावधान में अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। पहले चरण में 30 व दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने सहभागिता की। ऑनलाइन मीटिंग में विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने सभी प्रेरकों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है।

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष, मो. 9009780020
FB : @KapilMalaiyaOriginal

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

आकांक्षा मलैया
सचिव, मो. 9165422888
FB : @AkankshaMalaiyaOriginal

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

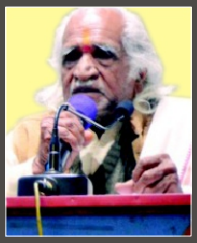

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

पता - 258/1, आदिनाथ कार्स लिमि. के पीछे, तिलकगंज वार्ड,
सागर (म.प्र.) - 470002, हेल्पलाइन नं. 9575737475

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 2, अंक - 22, जनवरी - 2021

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड

तिलकगंज सागर (म.प्र.)

पिन - 470002

Email: sanstha.vichar@gmail.com

Phone: 9575737475

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट

पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,

रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)

पिन - 470002

अनुक्रमाणिका

टॉप स्टोरी :-

1. अब तक के सफर से विजन 2025 तक..... 4

2. शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अनवरत प्रयास 11

विचार संस्था की गतिविधियां :-

1. सागर नगर को प्रेरित कर रहा आदर्श मोहल्ला परिवार..... 13

2. अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा 14

3. अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने बच्चों के साथ मिलकर मनाया क्रिसमस 16

4. अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों के अनुभव 17

5. 1300 समस्याओं का निराकरण..... 21

मीडिया कवरेज

..... 22

अब तक के सफर से विजन 2025 तक

किसी बड़े कार्य को पूरा करने के लिए दृढ़निश्चय लेकर आगे बढ़ें तभी उसे पूर्ण करने में सफलता मिलती है। विचार संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यो की संकल्पना के पूरे होने में इसी दृढ़निश्चय का समावेश रहा है। संस्था द्वारा संचालित योजनाओं को धरातल पर उतारने और उन्हें पूरा करने के बीच में बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। विचार परिवार की मेहनत, लगन एवं कर्त्तव्यनिष्ठा के स्वरूप यह सपना साकार होता दिखाई दे रहा है।

विजन 2025 के संबंध में विचार कार्यालय में चर्चा करते हुए संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया

विचार संस्था द्वारा लक्ष्य 2025 मिशन को पूरा कर लेने से हम सभी सागर को समृद्ध और खुशहाली के नए रास्ते मे ले जाने की ओर अग्रसर हो सकेंगे। इसे हमने (1) शिक्षा (2) रोजगार (3) पर्यावरण (4) स्वास्थ्य, स्वच्छता (5) संस्कृति संवर्धन (6) सेवा, ग्रामीण विकास, एफ.पी.ओ. (7) 'विहार' जो विचार की भावी योजना है उसे प्रशासनिक विभाजन और नेटवर्क, संचार व प्रचार, दान संग्रह जैसे भागों में वर्गीकृत किया गया है। विचार संस्था द्वारा इन क्षेत्रों में किए गए कार्यो की सूची बहुत लंबी है। हम इन्हें संक्षिप्त में जानने की कोशिश करते हैं। इसके साथ ही 'विहार' प्रोजेक्ट के विषय की जानकारी को साझा कर रहे हैं।

(1) शिक्षा :- शिक्षा के क्षेत्र में जहां संस्था द्वारा विभिन्न कैरियर क्षेत्रों के व्यवहारिक ज्ञानों से लेकर निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, समर कैंप, चित्रकला, हस्तकला, नवचेतना, बालचेतना और योग के माध्यम से एकाग्रता बनी रहने के लिए, बच्चियों की आत्मरक्षा का प्रशिक्षण, कैरियर गाइड लाइंस देने के लिए स्कूलों का चयन कर बच्चों को कैरियर बनाने के टिप्स देने के साथ चार स्कूलों के समग्र विकास, व्यक्तिगत विकास के लिए एक समय निर्धारित गतिविधियां संपन्न हुई।

- छात्रों की आर्थिक मदद की गई।
- विशेष सत्र आयोजित कर कैरियर क्षेत्रों की जानकारी दी गई।
- युवाओं को व्यवहारिक जानकारी देने के लिए

वर्कशॉप जैसे आयोजन कर दैनिक कामकाज और प्रबंधन के गुण सिखाए गए।

■ जरूरतमन्द छात्रों को आवश्यक स्टेशनरी उपलब्ध कराई गई।

■ अनुभवी शिक्षकों द्वारा निःशुल्क कोचिंग दी गई।

■ पुस्तकालय बनाया गया।

■ आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

कोरोना काल के दौरान ISRN संस्था के साथ अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के अंर्तगत बच्चों को व्यवहारिक ज्ञान, जीवन कौशल ज्ञान देने का काम किया गया। इसके द्वारा 26 स्थानों पर 35 प्रेरकों के द्वारा 405 बच्चों को अध्ययन कराया जा रहा है। इसी तरह विचार संस्था शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ी हुई कई योजनाओं पर कार्य करती आई है।

(2) रोजगार :- रोजगार प्राप्त करने के लिए संस्था द्वारा हथकरघा प्रशिक्षण, सिलाई, कढ़ाई, गोबर से दिये जैसी योजनाओं पर काम किया गया है इसके साथ ही महिलाओं को छोटे रोजगार शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है।

(3) पर्यावरण :- पर्यावरण और प्रकृति के प्रति जागरूकता और लगाव बढ़ाने के उद्देश्य से राजघाट के पास कैचमेंट एरिया में 1 लाख से ज्यादा सीटबॉल बनवाकर रोपित करवाए गए।

■ मंगलगिरी में 7500 वृक्ष लगाए गए, इसके साथ मोहल्लों में 10-10 फलदार वृक्षों को रोपित किया गया है। यह सब कार्य संस्था मोहल्ला टीम के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों को साथ लेकर संचालित किया गया है। वृक्षों को रोपित करने का कार्य विचार संस्था की प्रशिक्षित वॉलंटियर टीम द्वारा चिन्हित मोहल्लों में किया जाता है। विचार संस्था विभिन्न माध्यमों से अभी तक 2 लाख से अधिक वृक्ष लगाने में सफल हो चुकी है।

■ विचार कार्यालय के प्रांगण में वृक्ष लगाकर कोरोना बारियर्स का सम्मान किया गया है। इन वृक्षों से लगी दीवार पर उन बारियर्स के नाम लिखे गए हैं जिन्होंने इस कोरोना संकट काल में संस्था के माध्यम से हजारों लोगों की मदद की है।

■ संस्था द्वारा 'बीज से पेड़ लगाने' की योजना शुरू की गई। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीजों को एकत्र कर बीज से फल बनाने की योजना पर काम किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत घरों में उपयोग होने वाले फलों के बीज को एकत्र कर नर्सरी बैग में लगाने को कहा जा रहा है।

■ बीज से पेड़ योजना से हुए 5 हजार वृक्षों को आगामी समय में कलेक्टर परिसर में बनाई 'मियावाकी पद्धति' जैसे मंगलगिरी में रोपित किया जाएगा।

(4) स्वास्थ्य और स्वच्छता :- इस क्षेत्र में सबंधित योग्य पेशेवरों के बड़े नेटवर्क के साथ मिलकर 24×7 रक्त हैल्पलाइन, निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अब तक 300 रक्तदान शिविर, 300 स्वास्थ्य जांच शिविर के साथ विचार संस्था द्वारा कई मरीजों की आर्थिक मदद की गई है।

■ युवाओं को रक्तदान के महत्व व योग, ध्यान से जोड़ने का काम किया गया। संस्था द्वारा संचालित शव वाहन चौबीसों घण्टे अस्पताल से 30 किलोमीटर तक निशुल्क सेवा प्रदान करता

संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया से विचार विमर्श करते हुए विचार संस्था के पदाधिकारी

रहा है।

■ महिलाओं के लिए माहवारी के समय पर सैनिटरी पैड के इस्तेमाल सहित उन पैडों को संस्था द्वारा पैसे लगाकर कम कीमत पर उपलब्ध कराये जाते हैं।

■ खुशहाली जागरूकता अंतर्गत स्वच्छता कैलेंडर जिसमें 18 प्रकार की बीमारियों से स्वयं को सुरक्षित रखने के उपाय बताए गए।

■ स्वच्छता के अंतर्गत घर मे दो-दो डस्टबिन रखकर सूखे गीले कचरे को पृथक करना सिखाया गया।

■ घरों में जैविक खाद बनवाई गई। घरों में बनाई जा रही जैविक खाद के उपयोग हेतु उच्च क्वालिटी के सब्जी के बीज संस्था द्वारा मोहल्ला परिवारों को दिए गए।

■ किचिन रूम, बैठक रूम, बाथरूम, घर के आंगन को व्यवस्थित व स्वच्छ रखने के तरीके सिखाए गए। घर में उपयोग होने वाली कच्ची सब्जी के छिलकों से एंजाइम बनाने की विधि सिखाई गई जो कि टॉयलेट क्लीनर, फिनायल से लेकर बालों में शैम्पू की जगह इस्तेमाल की जा सकती है।

■ स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए विचार संस्था ने 'घर की बगिया' योजना की शुरुआत की। योजना के संचालन में घर के गमलों, बगिया, आंगन में पौष्टिक कीटनाशक छिड़काव रहित सब्जियों को घर पर उगाने की योजना पर कार्य किया गया। इस योजना के अंतर्गत टमाटर, लौकी, तुरई, भिंडी, भटा, करेला, आदि बीजों को मोहल्ला विकास योजना अंतर्गत बनाई टीमों से घर-घर जाकर निःशुल्क वितरण कराया गया। इसमें संस्था द्वारा 42 मोहल्ला टीमों की मदद से 5117 परिवारों को बीजों का वितरण किया गया।

■ कोरोना जैसी महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक विचार संस्था मास्क और सैनिटाइजर वितरण के साथ जागरूकता अभियान के अंतर्गत LED वीडियो वेन संपूर्ण नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में चला चुकी है।

■ प्रदूषण नापने के लिए डेसीबल मीटर का उपयोग किया गया। वायु प्रदूषण मापने के लिए हैंड हेल्ड पी.एम. 2.5 और पी.एम. 10 मानीमीटर का उपयोग किया गया। जल प्रदूषण मापने के लिए टी.डी एस. मीटर और इलेक्ट्रोलाइजर का उपयोग किया गया।

■ 7 हजार लीटर सैनिटाइजर जल वर्ल्ड बेस्ट सैनीटाइजर के तौर पर मानी जाने वाली जेपनिस केंगेन मशीन के द्वारा बनाकर वितरित किया गया।

■ इसके साथ 5 हजार से ज्यादा मास्क और कोरोना से बचाव के लिए होम्योपैथिक दवा की शीशियां बाटीं गईं।

■ नगर निगम ने होम कम्पोस्टिंग, रीयूज और रिफ्यूज पर कार्य करने और जनजागरूकता फैलाने के लिए विचार संस्था से फिर सहयोग मांगा जहां नगर निगम के अंतर्गत आने वाले 48 वार्डों के 5 हजार विचार परिवारों में प्रारंभ कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके पहले संस्था द्वारा 4500 परिवारों के साथ मिलकर होम कम्पोस्टिंग योजना का सफल संचालन व उस पर कार्य कर चुकी है। इसे विचार मोहल्ला टीमों के वार्ड स्तर पर आदर्श परिवारों का नाम देकर इस योजना को फिर सुचारू रूप से संचालित किया जायेगा।

■ इसमें प्लास्टिक का कम से कम उपयोग या उपयोग होने पर भी प्लास्टिक रीसायकल तथा गीला कचरा व सूखे कचरे को व्यवस्थित करने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

(5) संस्कृति सवंर्धन :- इस क्षेत्र में लोकप्रिय त्योहारों पर विचार द्वारा संयुक्त उत्सव कराए गए।

■ गणतंत्र महोत्सव व विचार स्वंतत्रता महोत्सव के माध्यम से मोहल्ला टीमों को एक मंच पर लाकर उनके बीच की दूरियां मिटाकर आपसी सद्भाव की भावना बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम विचार द्वारा आयोजित किए जाते रहे हैं।

■ सागर का नाम विश्व पटल पर रखने के लिए तिरंगा मानव श्रृंखला का सपना सजोया गया जिसे मूल रूप देने के लिए 3 महीने कठोर परिश्रम उपरांत 17.5 किलोमीटर लंबी विचार तिरंगा मानव श्रृंखला यात्रा, जो करीब 17 हजार मीटर एवं 56561 फुट लंबी थी। इस दिन 31000 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने तिरंगा मानव श्रृंखला के तिरंगे को अपने हाथों में थामा।

■ विचार संस्था एवं मेरी शान तिरंगा जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में विश्व की सबसे लंबी 17.5 किलोमीटर की तिरंगा मानव श्रृंखला ने शहर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रभक्त नगर के रूप में दी। यह विश्व रिकार्ड वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड लंदन में दर्ज हुआ।

■ इस आयोजन में स्वच्छ भारत-स्वच्छ सागर व सिंगल यूज़ प्लास्टिक बंदी को भी नगर सुधार की दृष्टि से प्रमुखता के साथ प्रचारित किया गया। इसमें शासकीय/अर्धशासकीय एवं स्वयंसेवी संस्था के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ हाई स्कूल/कालेज के विद्यार्थियों का सहयोग रहा।

■ 74 वे स्वंतत्रता दिवस पर विचार संस्था ने नारी शक्ति को बढ़ावा देते हुए 74 जगहों पर घर की महिलाओं से झंडा वंदन करवाया, साथ ही ऐसें सभी परिवारों से एक-एक वृक्ष लगाने की अपील की गई। यह कार्यक्रम विचार सहित सभी वार्डों के प्रतिनिधियों के सहयोग से किया गया।

■ 'प्रकृति वंदन कार्यक्रम' हिंदू आध्यात्मिक और सेवा फाउंडेशन के आव्हान पर सम्पन्न हुआ जिसमें सागर की विचार संस्था ने इस आयोजन में सहभागिता रखी। इसमें 1 हजार विचार परिवारों ने मिलकर 'प्रकृति वंदन कार्यक्रम'

मनाया।

(6) सेवा और ग्रामीण क्षेत्र (FPO) :-

■ अहिंसा और शाकाहार के क्षेत्र में माननीय उपराष्ट्रपति जी द्वारा भगवान महावीर पुरुस्कार दिया गया। इसमें विचार के 4 सदस्य व्यक्तिगत रूप से अहिंसा महावीर चक्र के पुरुस्कार से सम्मानित हुए।

■ सेना को श्रद्धांजलि देने के लिए शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया गया। ड्यूटी पर तैनात सैनिकों को त्यौहारों पर बधाई स्वरूप ग्रीटिंग कार्ड भेजे गए।

■ महिला सशक्तिकरण सबंधी गतिविधियों में शामिल होते हुए 80 से अधिक जागरूकता शिविर लगाए गए।

■ विचार संस्था द्वारा बुजुर्गों के लिए बृद्धाश्रम जाकर उनके साथ समय व्यतीत करना, चलने में सहायक छड़ी वितरण करना, वहां रह रहे वृद्धों को पिकनिक पर ले जाना, अपंग व्यक्तियों की सहायता स्वरूप 250 सुधारक उपकरण प्रदान किए गए।

■ घरोंदा आश्रम जाकर उनके साथ समय बिताना, खाना खिलाना। अनाथ बच्चों की सशक्तिकरण के लिए सप्ताहिक व्यक्तित्व सत्रों की एक श्रृंखला बनाकर उस पर काम किया गया।

■ हस्तनिर्मित दीपक और राखी बनाकर बच्चों के द्वारा 70 हजार की राशि एकत्र करवाई गई। संजीवनी बाल आश्रम जाकर दीपावली मनाने जैसे कार्यक्रमों के साथ इसी दिन जिला चिकित्सालय जाकर मरीजों को फल वितरित किए जाते रहे हैं।

■ मांस की दुकानों को मीट मार्केट से स्थानांतरित करने के लिए विचार द्वारा उठाए कदमों में मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय में कानूनी लड़ाई लड़ी गई। अवैध मांस की खुली बिक्री के खिलाफ अभियान चलाया गया।

■ नशा मुक्ति की पहल के लिए 150 से अधिक जागरूकता शिविर लगवाए गए। 15 मिनिट का ब्लैक आउट करवाया गया। शराबबंदी के लिए प्रण लेने वाले लोगों से सवा लाख हस्ताक्षरित एकत्रित किये गए। इसके लिए समय-समय पर सरकार को ज्ञापन दिए गए।

■ जागरूकता और आत्मविश्वास निर्माण के क्षेत्र में नोटबंदी जैसे मुद्दों की सही जानकारी दी गई। 1500 से ज्यादा आधार कार्ड बनवाने में सहायता दी गई। सार्वजनिक भाषणों को आधार बनाकर जागरूकता फैलाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई।

■ धोखाधड़ी, अतिक्रमण, आवास, सड़क जैसे आदि मुद्दों/शिकायतों के निराकरण के लिए विचार द्वारा 20 हजार शिकायत दर्ज की गई जिसमें 8 हजार समस्याओं का निराकरण किया गया है।

■ जेल कैदियों की जागरूकता से सबंधित गतिविधियों में शामिल होते हुए उनके साथ समय बिताकर उन्हें संस्कारित रहने के साथ अच्छे जीवन व्यतीत करने के साथ शराब व नशे के बुरे प्रभावों के प्रति जागृत किया गया।

■ 'जिसके पास जो अतिरिक्त है वो दे जाते हैं और जो जरूरतमंद हैं वो उसे ले जाते हैं।' नेकी का घर बनाकर इस योजना को लोकप्रिय बनाया गया।

■ प्राकृतिक खेती के अवलोकन के साथ, प्राकृतिक कृषि तकनीक के बारे में विशेष प्रवास किए गए। इसके अंतर्गत जैविक खाद बनाना

सिखाया गया। गिर गाय जैसी विशेष नस्लों के लिए आधुनिक गौशाला बनाने को लेकर जोर दिया गया। स्थानीय मवेशियों के लिए विभिन्न प्रकार का चारा उगाने की पद्धति के साथ गिर गाय के दूध के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए समझाइस दी गई।

- कई वर्षों तक विचार सदस्यों द्वारा मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला चलाई गई।
- विचार संस्था ने 'सुंदर गांव - समझदार गांव' योजना की शुरूआत की है। इसमें गांव वालों को नशा-मुक्ति अपराध, बुरे व्यसन जैसे विषयों के बारे में बताया गया। विचार संस्था की इस पहल पर सभी गांवों ने सहयोग किया।
- गांव में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सशक्तिकरण एवं जागरूकता पर्यावरण जैसे सभी विषयों पर कार्य करने के लिए व्यवस्थित इकाइयां बनाने के निर्णय लिए गए हैं।
- कोरोना काल के दौरान संस्था द्वारा राहगीरों को भोजन, खिचड़ी, सत्तू, शुद्ध जल व भोजन उपलब्ध कराया गया।
- 2000 से अधिक परिवारों तक विचार संस्था ने जरूरतमंदों तक राशन किट पहुंचाई।

नेटवर्क व संचार :- विचार संस्था अब तक मोहल्ला विकास योजनांतर्गत 127 मोहल्ला टीमो पर उनकी खुशहाली और जागरूकता बढ़ाने का काम कर रही है। इन टीमों के एक समूह को एक मोहल्ले का नाम दिया गया है। इन घरों की जिम्मेदारी 11 सदस्यों की टीम लेती है। टीम में एक पुरुष/महिला को समन्यवक बनाया जाता है। शेष 10 लोगों को पालक बनाया जाता है। जिसमें प्रत्येक पालक को 10 परिवारों की जिम्मेदारी दी जाती है। इस तरह से 10 पालक मिलकर मोहल्ला के क्रम से बने हुए 100 परिवारों की जिम्मेदारी लेकर उनकी खुशहाली और जागरूकता पर कार्य करते हैं। संस्था द्वारा सागर नगर में 33 वार्डो में 127 से ज्यादा मोहल्ला टीमों के साथ केंट क्षेत्र के 3 बार्डो, नगर पालिका मकरोनिया क्षेत्र के 4 वार्डो तथा शहर से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्र जिसमें लगभग 20 गांवों में इसी तरह के जनहितैषी कार्य किये जा रहे हैं।

7. विहार :- अब वो समय आ गया है जब संस्था इतने बड़े नेटवर्क के साथ विकास पर ऐसा काम करे जिसमें सागर का नाम देश दुनिया मे गर्व के साथ लिया जा सके। विचार द्वारा 'विहार' एक ऐसी ही योजना है जिसका पूरा नाम है 'विचार इंस्टीट्यूट ऑफ ह्युम्यानिटेरियन रिसर्च' ये 10 एकड़ में बना परिसर होगा जहां देश-विदेश से शोधकर्ता आकर सामाजिक शोध पर कार्य करेगें।

इसमें एक नियम रहेगा, यहां जो भी रिसर्च होगा उसका एक मॉडल बुंदेलखंड को यूटिलाइजेशन किया जाएगा। रिसर्च के दौरान उपयोग किए जाने वाले सभी संसाधनों को संस्था द्वारा मुहैया करवाया

विजन 2025 के संबंध में विचार कार्यालय में मीटिंग हुई।

जाएगा। रहने, खाने और यात्रा की व्यवस्था की जाएगी। इस कैंपस में एक स्कूल खोला जाएगा जिसमें बेस्ट राइट टू एजुकेशन की निःशुल्क शिक्षा के बाद बाकी सब प्राईवेट रहेगा। स्कूल में जो विशेष होगा उसमें ज्यादा ध्यान प्रेक्टिकल ज्ञान पर दिया जाएगा। यहाँ बनाया हॉस्पिटल निःशुल्क रहेगा। इसमें सागर की मेडिकल संसाधनों की कमी को पूरा किया जाएगा। इसमें एक एम्फीथियेटर बनेगा जिसमें 1000 लोगों को प्रतिदिन सामाजिक जागरूकता एवं विकास के विषय पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस तरह साल भर में लगभग 300000 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

■ विहार में सागर शहर के प्रत्येक सद्विचार वाले व्यक्ति को तन-मन-धन से जोड़ा जाएगा। विहार का संकल्प है, बुंदेलखंड का विकास, बुंदेलखंड के लोगों द्वारा बुंदेलखंड के लिए। विहार में प्राकृतिक खेती, लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर कैसे रोजगार उत्पन्न किया जाए इस पर भी कार्य किया जाएगा।

■ विचार संस्था 35 हजार परिवारों से मिलकर बनी है। जो अपने लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हम सभी बुंदेलखंड के समुचित विकास के लिये दृढ़ संकल्पित हैं। **विजन 2025 से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु विचार संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया से संपर्क कर सकते हैं।**

संपर्क नं. - 9165422888

शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अनवरत प्रयास

आकांक्षा मलैया
सचिव
विचार संस्था

मैं जब छोटी थी तब सोचा करती थी कि सागर की शिक्षा और बड़े शहरों या विदेश के अध्ययन में अंतर होता होगा। तब मन में यहीं ख्याल बना रहता था। क्या दूसरी जगह की पढाई मेरे यहां से बेहतर है ? इसे मेरी जिज्ञासा ही कहिए, मैंने 7 स्कूल बदले। डेनमार्क, अमेरिका एवं सिंगापुर जाकर भी शिक्षा ग्रहण की। हर जगह किताबी ज्ञान तो एक सा है, यदि कुछ बदला है तो वो व्यावहारिक ज्ञान जीवन कौशल का ज्ञान एवं विभिन्न कैरियर क्षेत्रों में आंगे बढ़ने का नजरिया मैंने अलग पाया है।

मेरा सामाजिक कार्यों से जुड़ने का लगाव शुरू से ही रहा है। मुझे यह विरासत में मिला है। मैंने सागर के बच्चों को शिक्षा से रोजगार तक पहुंचाने की शुरुआत 2016 से की। एम्मानुएल हायर सेकेंडरी स्कूल (हिंदी माध्यम) के प्राचार्य श्री आनंद गुप्ता जी एवं उप-प्राचार्य श्रीमती वंदना जूज़ जी के सहयोग से स्कूल में 'अनावरण' नामक परियोजना की शुरुवात की। इसके लिए मैंने 17 युवाओं को जो उस दौरान शिक्षा ग्रहण करते हुए इस क्षेत्र में कार्य कर रहे थे, उन्हें इस मुहिम से जोड़ा। हम सबने मिलकर पूरे वर्ष हफ्ते का एक दिन चुनकर एम्मानुएल स्कूल जाकर छात्रों को दो-दो घंटों के सेशन के माध्यम से विभिन्न कैरियर क्षेत्रों के बारे में व्यवहारिक ज्ञान देना शुरू किया। यह मुहिम कारगर रही और इम्मानुएल प्रबंधन ने इसके लिए हम सबकी सराहना की। मैं इस मुहिम से जुड़कर बेहद खुश हुई। इस क्षेत्र से जुड़ते हुए मैंने विचार संस्था के माध्यम से सिलसिलेवार आत्मनिर्भर बनाने हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण देना शुरू किया । समर कैम्प लगाए जिसमें चित्रकला, हस्तकला सिखाने के साथ स्वास्थ्य चेकअप कराए गए। नवचेतना, बाल चेतना, योग के माध्यम से स्वास्थ्य और शिक्षा में एकाग्रता बनी रहने के लिए बच्चों को प्रशिक्षित किया। जनता हाई स्कूल के सहयोग से बच्चियों को आत्मरक्षा के लिए प्रशिक्षित किया गया। बच्चों को कैरियर गाइडलाइंस देने के लिए 4 स्कूलों जिसमें इमानुअल स्कूल, मकरोनिया शासकीय हाई स्कूल, काकागंज शासकीय हाई स्कूल, सुभाषनगर पगारा रोड स्थित हाई स्कूल में बच्चों के भविष्य और कैरियर

बनाने के टिप्स सिखाये गए।

जरूरतमंद छात्र-छात्राओं की पढ़ाई हेतु आवश्यक स्टेशनरी उपलब्ध कराई गई। अनुभवी शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को निःशुल्क कोचिंग दी गई है। विद्यादान - महादान की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय बनाया गया जिसमें उपयोग की पुस्तकें ले जाते हैं और जिसके उपयोग की नहीं रह जाती हैं उन्हें रख जाते हैं। बेरोजगारों को रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से हथकरघा प्रशिक्षण केंद्र खोला गया जिसमें प्रशिक्षण लेकर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। महिला आत्मरक्षा निःशुल्क शिविर के अंतर्गत जनता कन्या शाला परकोटा में महिलाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया गया। रोजगार के उद्देश्य से महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण कराया गया। कूडो-कराटे का निःशुल्क प्रशिक्षण के द्वारा महिलाओं को आत्मरक्षा के गुण सिखाये गए। बच्चों तक व्यावहारिक ज्ञान एवं जीवन कौशल का ज्ञान पहुंचाने का एक बड़ा अवसर मुझे कोरोना काल के दौरान मिला। इस दौरान मैंने ISRN संस्था की प्रेरणा से सागर में 'अंत्योदय शिक्षा प्रेरक' अभियान की शुरुआत की। इस अभियान के अंतर्गत 30 लोगों ने 3 माह के लिए 6-12 वर्ष के जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क पढ़ाने का संकल्प लिया। इन प्रेरकों द्वारा बच्चों को रोचक तरीकों से मौलिक ज्ञान की बातें सिखाने का प्रयास किया जा रहा है। जैसे खेल के माध्यम से बच्चों को ऑड-इवन नंबर सिखाया जा रहा है तो बैठने के तरीके से असेंडिंग डिसेंडिंग आर्डर। 'learn by doing' के तरीके का प्रयोग किया जा रहा है जैसे सेव खाते- खाते बच्चे को सेव के फायदे बताना, खुद बच्चों से पेड़ का बीज लगवाना और समय-समय पर पौधे के बड़े होने की प्रक्रिया समझाना, पौधे के अंग बताना। घरेलु सामान से ही बच्चों को विज्ञान के ढेरों प्रेक्टिकल एक्सपेरिमेंट करवाए जा रहे हैं । बच्चे चीज़ें को देख - देखकर जल्दी सीख पाएं इसके लिए उन्हें अल्फाबेट्स, फल, सब्जी, शरीर के अंग, गुड मैनर्स आदि के चार्ट्स के प्रयोग से सिखाया जा रहा है। इस अभियान से न केवल बच्चे उस ज्ञान को जिंदगी भर अपने जहन में रखेंगे, बल्कि आगे पढ़ाई करने के लिए भी प्रेरित हो सकेंगे।

ईश्वर को बहुत-बहुत धन्यवाद उन्होंने मुझे बहुत सी योजनाओं पर कार्य कर उन्हें सफल बनाने का महत्वपूर्ण मौका दिया है। शिक्षा का क्षेत्र मुझे सदा से ही प्रिय रहा है जहां मेरे द्वारा इसमें सुधार करने के प्रयास ऐसे ही अनवरत जारी रहेंगे।

सागर नगर को प्रेरित कर रहा आदर्श मोहल्ला परिवार

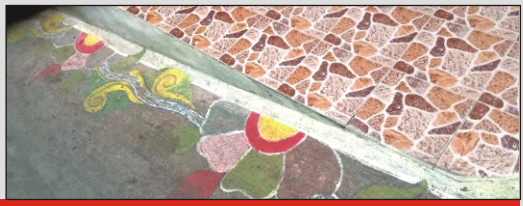

आदर्श मोहल्ला डॉ. हरिसिंह गौर वार्ड के घरों के सामने प्रत्येक दिन रंगोली बनाई जाती है।

डॉ हरिसिंह गौर वार्ड के 33 आदर्श मोहल्ला परिवार जो सागर शहर में एक मिसाल कायम कर सभी नगरवासियों को जागरूकता का संदेश दे रहे हैं।

इस मोहल्ले में विचार संस्था की समन्वयक श्रीमती सीता साहू जी, 10 सदस्यीय पालक सहित 33 परिवार विचार संस्था द्वारा चलाए जा रहे मोहल्ला विकास योजना के तहत प्रत्येक प्रोजेक्ट जैसे कि आदर्श घर योजना उसके सभी प्रकल्प जैसे एंजाइम बनाना, घर में खाद बनाना, घर की साफ सफाई रखना, घर में किचिन गार्डन बनाना एवं इसके साथ महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति जैसे प्रोजेक्टों को सफलता से चलाकर अपने मोहल्ले को नम्बर 1 बनाने में सफल हुए हैं। डॉ. हरिसिंह गौर वार्ड नंबर 1 की समन्वयक श्रीमती सीता साहू जी ने बताया कि पहले इस मोहल्ले में बहुत गंदगी रहती थी, जब से हम सभी विचार संस्था से जुड़े हैं तब से हम और यहां का प्रत्येक परिवार अपने आप में जागरूकता को दर्शा रहा है। यहां के मोहल्ला परिवार अपने-अपने घर के सामने सुबह से साफ-सफाई कर, चबूतरों को गोबर से लीपकर उसपर रंगोली बनाते हैं जिससे यहां पर हमेशा साफ सफाई बनी रहती है। सभी मोहल्ले को स्वच्छ बनाए रखने के लिए कचज़ इकट्ठा करने, नाली साफ रखने साथ ही घर के निकले कचड़े को व्यवस्थित रखकर अपने मोहल्ले को साफ-स्वच्छ बनाए रखते हैं। आज यह मोहल्ला सागर शहर में आदर्श बनकर ऐसा करने के लिए सभी नगरवासियों को प्रेरित कर रहा है।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा

विचार संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित प्रेरक शिक्षक

पहले चरण में 30 व दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी

सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं।

अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है।

विचार संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में चर्चा करते हुए प्रेरक शिक्षक

साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं।

योजना का उद्देश्य कोरोनाकाल के चलते आर्थिक मंदी से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा देना है। ऐंसे कई बच्चे आर्थिक तंगी के चलते तकनीकी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए थे।

ऐसे बच्चों को अक्षर ज्ञान, विज्ञान के प्रयोग तथा मौलिक शिक्षा देने का काम किया गया है। यह कक्षाएं शहरी और ग्रामीण अंचलों में संचालित की जा रही हैं। इसमें हर हफ्ते प्रेरकों द्वारा दी जा रही शिक्षा की सभी गतिविधियों में लगने वाली सामग्री विचार संस्था मुहैया कराती है।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने बच्चों के साथ मिलकर मनाया क्रिसमस

प्रेरक - प्रीति केशरवानी, विजय टाकीज रोड

प्रेरक - ऋचा जैन, भीतर बाजार, सागर

प्रेरक - प्रियंका पटैल अंबेडकर वार्ड, प्रेरक - प्रियंका गोदरे कटरा बाजार, प्रेरक - वर्षा राजपूत नयाखेड़ा

प्रेरक - पूनम मेवाती, शिव मंदिर तिलकगंज

प्रेरक - मिनी जैन, रामपुरा वार्ड, सागर

प्रेरक - सपना पटैल, बाघराज वार्ड

प्रेरक - सुनीता सिंह, भगवानगंज वार्ड

अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों के अनुभव

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान में विचार संस्था ने मुझे प्रभारी के रूप में चुना जिसके लिये में आभार व्यक्त करती हूँ एवं इसमें हमने बच्चों को खेल खेल में बहुत कुछ ज्ञानवर्धक सिखाया। संस्था का एक छोटा सा प्रयास बच्चों के जीवन को बदल रहा है। बच्चे भी मन लगाकर बखूबी पढ़ाई में ध्यान लगा रहे हैं। बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं। विचार संस्था को इस सफल आयोजन के लिये बहुत बहुत शुभकामनाएं।

अभियान प्रभारी – पूजा पड़ेले जैन, कटरा

अभियान के तहत उन सभी बच्चों को शिक्षा दी जा रही है जो अपनी आर्थिक परिस्थिति या किसी अन्य कारण से नहीं पढ़ पा रहे। हमें इस अभियान में शामिल होकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। इसमें बच्चे बहुत कुछ सीख रहे है उन्हें वृक्षों के बारे में बताया और जो बच्चे पढ़ने में कमजोर थे और सोचते थे वह नहीं पढ़ सकते उनमें यह आत्मविश्वास जगाया कि वो भी पढ़ सकते है। बच्चो को स्वयं से प्रेम करना सिखाया उन्हें समझाया कि स्वयं कितने स्पेशल है। इस प्रकार से बहुत कुछ सीख रहे हैं बच्चे और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए विचार संस्था के द्वारा हमें किट भी प्राप्त होती है। मै आकांक्षा दीदी का धन्यवाद करना चाहती हूँ जिन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया।

प्रेरक – ज्योति जैन, मडदेवरा

कोरोना काल में जब सभी स्कूल बंद है और बच्चे को घरों में रह रहे हैं इसका उनके मानसिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस को ध्यान में रखते हुए आईएसआरएन एवं विचार संस्था द्वारा 20 बच्चों के समूह को जो 6 से 12 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की जा रही है इसके अंतर्गत विचार संस्था ने पहल कर के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों का चयन किया जिसमें मेरा नाम भी है मैं 20 अक्टूबर से इस अभियान में जुड़ी। इसके अंतर्गत सभी 6 से 12 वर्ष के बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। विचार संस्था द्वारा शिक्षण सामग्री प्रदान की गई। बच्चों के लिए ब्लैक बोर्ड कलर की व्यवस्था की गई। सर्दी के मौसम में बच्चों को मोजे वितरित किए गये। योग से बच्चों के मानसिक तनाव को दूर किया। दीपावली पर बच्चों की रंगोली प्रतियोगिता, 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाया जिसमें बच्चों के अंदर की प्रतिभा को जाना। बच्चों के माता–पिता समय पर क्लास में छोड़ने आते हैं। मैं विचार संस्था का कोटि–कोटि धन्यवाद करती हूं जिसके माध्यम से मुझे नन्हे बच्चों के साथ वक्त बिताने का मौका मिला।

प्रेरक – पूनम मेवाती, तिलकगंज

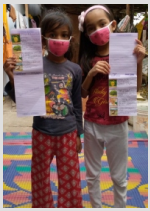

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक एक बहुत ही अच्छा अभियान रहा है जिसमें उन बच्चों को कोरोना संक्रमण से सावधानी बरतते हुए शिक्षा पहुँचाने की एक अच्छी मुहम चलाई गई। विचार संस्था के सर्वोच्च प्रयास से बच्चों को हर हफ्ते कुछ नया सिखाने हेतु किट भी मुहैया कराई गई जिससे बच्चो का उत्साहवर्धन अलग ही तरह का हो सका। **सधन्यवाद**

प्रेरक – मधु मौर्य / उन्नति मौर्य, सदर

इस अभियान में मुझे बच्चों को तरह–तरह की गतिविधियां कराने में और पढ़ाने में बहुत अच्छा लग रहा है। ये मेरा बचपन से सपना था कि मैं एक टीचर बनकर जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दे सकूं और विचार संस्था के माध्यम से मेरा ये सपना भी पूरा हो गया। आगे भी मैं इसी तरह का काम करना चाहती हूँ। क्लास में बच्चो से मुझे भी बहुत कुछ सीखने को मिलता।

मैं आकांक्षा दीदी का धन्यवाद करना चाहती हूँ जिन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया।

प्रेरक – लक्षता जैन, रामपुरा वार्ड

जरूरी नहीं कि रोशनी चिरागों से होती है एक छोटे से शिक्षा के प्रयास से भी घर को रोशन किया जा सकता है। ऐसी सोच हमारे विचार संस्था द्वारा चलाए जा रहे अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के प्रयास से कोरोना काल में जरूरतमंद बच्चों को 3 माह से पढ़ाई सुचारू रूप से चलाई जा रही है। इसमें मैं अपना योगदान देकर अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रही हूं और अपने अनुभवों को साझा करके बहुत खुशी महसूस हो रही है। कहा जाता है कि शिक्षा की जड़े कड़वी जरूर होती हैं परंतु फल बहुत मीठे होते हैं। कोरोना काल में जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के प्रति लगन को देखकर बहुत खुशी महसूस हुई। मैंने अपने ज्ञान से जितना हो सका उससे भी अधिक 3 माह के समय काल में बच्चों को सिखाने का प्रयास किया। जैसे दिन की शुरुआत योगा के साथ करनी चाहिए और हमारे जीवन में ज्ञान विज्ञान का योगदान, व्यक्तित्व विकास, वर्तमान की विभिन्न घटनाएं से परिचित कराया। हमने मध्यप्रदेश और भारत को जानो, विभिन्न प्रकार के सामान्य ज्ञान से बच्चों को भलीभांति परिचित कराया एवं उनके ज्ञान की वृद्धि के साथ स्वयं के अनुभव में भी वृद्धि महसूस हुई। कड़ी मेहनत के साथ पक्का इरादा हो तो सफलता पाना आसान है। **धन्यवाद।**

प्रेरक – अभिलाषा जाटव, गुलाब कॉलोनी

मैं इस अभियान का हिस्सा बनी और तकरीबन 12 से 14 बच्चों को पढ़ा रही हूं। यह अनुभव एक अलग उत्साह को देने वाला है इस दौरान बच्चों के साथ मस्ती करना अलग–अलग प्रकार की गतिविधियां करना अच्छा लगा। मैं चाहती हूँ कि यह अभियान विचार संस्था द्वारा चलाया जा रहा है यह समुचे भारत के बच्चों के लिए शिक्षा के प्रति एक वरदान साबित हो। मैं तकरीबन 2 माह से बच्चों को पढ़ा रही हूँ। यह अभियान निरंतर चलता रहे। मैं विचार संस्था और आकांक्षा दीदी को अत्यंत धन्यवाद देती हूँ कि उन्होंने मुझे यह अवसर प्रदान किया।

प्रेरक – मिनी जैन, जवाहरगंज वार्ड

निस्वार्थ भावना से किया गया कार्य ज्यादा खुशी देता है। मुझे बच्चों को पढ़ा कर बहुत अच्छा लगा उनको पढ़ाने के साथ–साथ बहुत सी चीजों का अनुभव हुआ। छोटे बच्चों को कैसे पढ़ाना है उनके साथ कैसे व्यवहार करना है किस तरीके से उनको सिखाना है उनको डांट के ही नहीं प्यार से ज्यादा समझाया जाए। बहुत सारे अनुभव मिले। मैं विचार संस्था व आकांक्षा दीदी को धन्यवाद करती हूं विचार संस्था का एकमात्र उद्देश्य हर कोई भी जरूरतमंद बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मैं मंगल कामना करती हूं यह उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरा हो।

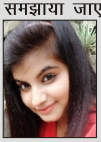

प्रेरक – रिचा जैन, भीतर बाजार

मैं अंत्योदय शिक्षा अभियान से जुड़कर व उसका प्रेरक बनकर ऐसे छात्रों को प्रेरित कर रही हूँ जो आर्थिक रूप से व शिक्षा के क्षेत्र में भी कमजोर है और मुझे यह सौभाग्य विचार संस्था के द्वारा प्रदान किया गया है जिसका मैं विचार संस्था उसके सदस्य और आकांक्षा दीदी का जिन्होंने मुझे इस काबिल समझा और अपने इस नेक काम में मुझे भागीदार बनाया। यह बताते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है कि मैं बच्चों को समझते हुए

शिक्षा दे रही हूँ। जैसे कभी छोटी–छोटी गतिविधियां करके, कभी खेल–खेल में। मैं इस सबके लिए आप सबका तहे दिल से आभार व्यक्त करती हूँ। धन्यवाद

प्रेरक – प्रियंका जैन, तहसीली

मुझे बच्चों को पढ़ा कर अच्छा लग रहा है। उनको अच्छी–अच्छी बातें सिखाना और खेल खेल में शिक्षा प्रदान करना बहुत अच्छा लगता है और बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़ती

जा रही है। मैं बच्चों को योग शिक्षा के माध्यम से एकाग्रित होने में बच्चो की कुछ मदद कर पा रही हूँ। धन्यवाद विचार संस्था एवं प्रिय आकांक्षा दीदी जी।

प्रेरक– प्रियंका पटेल, बाघराज वार्ड

इस अभियान में मुझे बच्चों को तरह–तरह की गतिविधियों से शिक्षित करने का अवसर मिला। आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों को व्यवस्थित शिक्षा देना सुखद महसूस होता है। विभिन्न गतिविधियां से बच्चों के साथ दोस्त जैसा व्यवहार करके

उनका मनोबल बढ़ाना, गरीब परिवार के बच्चे जो शिक्षा से वंचित न रहे इसलिए बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान की और बच्चों को भी बहुत अच्छा लगा।

प्रेरक – वर्षा राजपूत, चनाटौरिया

विचार संस्था द्वारा चलाए जा रहे इस अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू था। मैं काफी वक्त से ऐसे किसी अभियान का हिस्सा बनना चाहता था। जहाँ बच्चों को निःशुल्क शिक्षा दी जा सके। बच्चों को पढ़ाना मेरे लिए रुचि का कार्य है और बच्चों को न केवल इससे अध्ययन के लिए प्रेरित कर सकते हैं बल्कि हम बच्चों को उस प्रकार का वातावरण भी बना सकते हैं जैसा पहले गुरुकुलों में हुआ करता था क्योंकि आज के वक्त में बच्चों को किताबी ज्ञान तो दिया जाता है विद्यालयों में पर संस्कारों पर विशेष दृष्टि नहीं दी जाती। मैं बच्चों को अध्ययन के साथ साथ कुछ इस प्रकार की गतिविधियों से भी अवगत कराता रहता हूँ और मेरे लिए वह समय जब में पढ़ाता हूँ सच में बहुत अच्छा लगता

है। बच्चों के साथ रहकर उनसे भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। मैं आकांक्षा जी का धन्यवाद करना चाहूंगा जिनके माध्यम से मैं इस संस्था और इस अभियान का हिस्सा बन सका।

प्रेरक– प्रखर नेमा, प्रभाकर नगर मकरोनिया

इस अभियान में शामिल होकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है जिससे में गरीब व असमर्थ बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रही हूं। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के द्वारा मैं बच्चों को पर्यावरण संरक्षण एवं विश्व और देश की कुछ अन्य गतिविधियों से भी अवगत कराती हूँ तथा खेल–खेल में बच्चों को शिक्षा

प्रदान करती हूं। मुख्य रूप से स्वच्छता के बारे में जानकारी देती हूं जिससे बच्चों को वर्तमान समय में चल रहे कोरोना वायरस से कुछ हद तक सुरक्षा मिल सके। धन्यवाद आकांक्षा दीदी

प्रेरक – सपना पटेल, बाघराज वार्ड

'अशिक्षित को शिक्षा से अज्ञानी को ज्ञान से' शिक्षा से ही बन सकता है मेरा भारत महान। आओ हम सब मिलकर करें कुछ ऐसा शिक्षा की ज्योति हरदम जलती रहे। मैं इस अभियान से जुड़कर प्रेरक बनी। मेंने ऐसे बच्चों को प्रेरित किया जो आर्थिक रूप से पढ़ाई में कमजोर थे। मैं आकांक्षा मलैया को तहेदिल से बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूँ जो मुझे इस कार्य के लिए चुना और मैं भी आगे भी ऐसे नेक कार्य में सहयोग करना चाहूंगी कोरोना काल मे जरूरतमंद बच्चों के प्रति पढ़ाई में लगन को

देखकर बहुत खुशी होती थी मैंने पढ़ाई के अलावा मेडिटेशन विज्ञान बेसिक चीजें भारत को जानो, महापुरुषों की कहानियां, सामान्य ज्ञान को भलीभांति परिचित कराया।

प्रेरक – प्रीति केशरवानी, विजय टाकीज रोड

मैं अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान में विचार संस्था के माध्यम से जुड़ कर बहुत अच्छा लग रहा है। इस अभियान में मुझे बच्चों को तरह–तरह की गतिविधियां कराने का मौका मिला साथ ही दोस्त जैसा व्यवहार करते हुए उनका मनोबल बढ़ाकर सिखाना शिक्षा से वंचित ना रहे इसलिए बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान

की और बच्चों को भी बहुत अच्छा लग रहा साथ ही साथ मुझे भी बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है

प्रेरक – इंजी. रविकांत रैकवार, पोद्दार कॉलोनी सागर

'बच्चे करे अपने सपने साकार–नई शिक्षा नीति का यही आधार' आप सभी को मेरा नमस्कार मेरा नाम पूजा मिश्रा है मेने अंत्योदय शिक्षा का हिस्सा बन कर कुछ आर्थिक कमजोर बच्चों को जागरूक कर पढ़ाई के लिए प्रेरित किया है। मैं आकांक्षा मलैया दीदी को तहेदिल से बहुत–बहुत धन्यवाद करती हूँ जो इस महान शिक्षा नीति के कार्य में आगे आई और मुझे इस अभियान में जोड़ा ।

मै नई शिक्षा नीति पर कुछ शब्द व्यक्त करना चाहती हूँ, जैसा की आप सभी जानते है कि प्रत्येक देश के लिए शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है नई नीति का एक विशेष अर्थ है जो हमारी सोच समझ में हर प्रकार से एक नयापन को ही लाने से तात्पर्य प्रकट करती है।

प्रेरक – पूजा मिश्रा, गुरु गोविन्द सिंह वार्ड

1300 समस्याओं का निराकरण

विचार हेल्प डेस्क के माध्यम से बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज में 145 दिनों में 1300 समस्याओं का निराकरण हुआ

प्रथम पाली में अरविंद अहिरवार, रामकुमार बाल्मीकि, दूसरी पाली में पूजा प्रजापति, पूजा लोधी, तीसरी पाली में अनुराग विश्वकर्मा, तुलसीराम दाऊ एवं चौथी पाली में संजेश सिंह लोधी, आशीष राजपूत अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।

सागर के बुंदेलखंड मेडिकल कालेज में कोविड 19 से संक्रमित मरीजों के इलाज के दौरान डॉक्टर, मरीज और उनके परिजनों के बीच सही सामंजस्य नही हो पा रहा था जिसके चलते वहां आये दिन विवाद जैसे स्थितियां बन जाया करती थी। उस दौरान सागर कमिश्नर रहे जे.के जैन ने हेल्प-डेस्क चलाकर इन होने वाली समस्याओं को दूर करने में विचार संस्था से सहयोग मांगा था। विचार संस्था की टीम ने इसके लिए एक बैठक आहूत की जिसमें सभी की सहमति से हेल्प-डेस्क की शुरुआत की गई। सुबह 6 बजे से रात्री 12 बजे तक 2-2 विचार सेवकों के सहयोग से 4 घंटे की शिफ्टों में कार्य कर रही हेल्प-डेस्क ने 145 दिन पूरे करते हुए 1300 समस्याओं को निदान कर पाने में सफलता पाई है।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 29-12-2020

410 बच्चों को शिक्षा प्रेरकों ने सिखाया अक्षरों का ज्ञान

20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में दी सहभागिता

सागर | विचार संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मौजूद प्रेरक।

भास्कर संवाददाता | सागर

विचार संस्था द्वारा चलाए जा रहे अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान के तहत 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को अक्षर ज्ञान सिखा दिया है। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में सहभागिता दी है।

अभियान के तहत जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं।अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑनलाइन और ऑफलाइन संस्था कार्यालय में किया गया। सचिव आकांक्षा मलैया ने सभी शिक्षा प्रेरकों का कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं।

विचार संस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निः शुल्क शिक्षा

सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निः शुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं।

नईदुनिया सागर, 29 दिसंबर 2020

विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा

सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं। योजना का उद्देश्य कोरोनाकाल के चलते आर्थिक मंदी से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा देना है। ऐसे कई बच्चे आर्थिक तंगी के चलते तकनीकी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए थे। ऐसे बच्चों को ज्ञान, विज्ञान के प्रयोग तथा मौलिक शिक्षा देने हेतु यह पहल किया गया है। यह कक्षाएं शहरी तौर ग्रामीण अंचलों में संचालित की जा रही हैं। इनमें हर हफ्ते प्रेरकों द्वारा दी जा रही शिक्षा की सभी गतिविधियों में लगने वाली सामग्री विचार संस्था मुहैया कराती है।

मीडिया कवरेज

दैनिक अतुल्य भास्कर | सागर-सिटी | सागर, 29 दिसम्बर 2020

विचार संस्था द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा

अतुल्य भास्कर, सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है।

शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं। योजना का उद्देश्य कोरोनाकाल के चलते आर्थिक मंदी से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा देना है। ऐंसे कई बच्चे आर्थिक तंगी के चलते तकनीकी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए थे। ऐसे बच्चों को अक्षर ज्ञान, विज्ञान के प्रयोग तथा मौलिक शिक्षा देने का काम किया गया है। यह कक्षाएं शहरी और ग्रामीण अंचलों में संचालित की जा रही हैं। इसमें हर हफ्ते प्रेरकों द्वारा दी जा रही शिक्षा की सभी गतिविधियों में लगने वाली सामग्री विचार संस्था मुहैया कराती है।

सागर | 3 | प्रदेश टुडे | सागर, मंगलवार, 29 दिसंबर 2020

जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा

सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर करके सीखें तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है।

शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं।

सागर-बीना एक्सप्रेस

विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है नि: शुल्क शिक्षा

पहले चरण में 30 व दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी

सागर। विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर करके सीखें तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं। अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑनलाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहिन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं। योजना का उद्देश्य कोरोना काल के चलते आर्थिक मंदी से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा देना है। ऐसे कई बच्चे आर्थिक तंगी के चलते तकनीकी सुविधाओं के अभाव में शिक्षा से वंचित रह गए थे। ऐसे बच्चों को अक्षर ज्ञान, विज्ञान के प्रयोग तथा मौलिक शिक्षा देने का काम किया गया है। यह कक्षाएं शहरी और ग्रामीण अंचलों में संचालित की जा रही हैं। इसमें हर हफ्ते प्रेरकों द्वारा दी जा रही शिक्षा की सभी गतिविधियों में लगने वाली सामग्री विचार संस्था मुहैया कराती है।

पहले में 30 व दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने संकल्प में अपनी सहभागिता रखी

विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान से जरूरतमंद बच्चों को दी जा रही है निःशुल्क शिक्षा

●सागर, अग्निबाण संवाददाता।

विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है। इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है। यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निःशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं।

अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया। संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया। अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है। हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है। शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे। उन्होंने अनुभव साझा करते हुए बताया कि मैं भी मोहल्ला पाठशाला का संचालन कर रही हूं। अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं। इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं।

अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान द्वारा जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध

सागर ■ नया इंडिया

विचार संस्था द्वारा अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान चलाया जा रहा है इसमें जरूरतमंद बच्चों को तीन माह तक निरूशुल्क शिक्षा प्रदान करने का संकल्प लिया गया है यह जिम्मेदारी नेटवर्क आईएसआरएन और विचार संस्था ने उठाई है। इस योजना में अभियान के पहले चरण में 30 अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने 20 स्थानों पर 410 बच्चों को कक्षाएं लगाकर 'करके सीखें' तकनीक के जरिए निरूशुल्क मौलिक ज्ञान दिया है। इस तरह 6 से 12 साल के बच्चों को मौलिक अक्षर ज्ञान से लेकर विज्ञान के प्रयोग सिखाए जा रहे हैं अभियान के दूसरे चरण में 20 नए अंत्योदय शिक्षा प्रेरकों ने इस संकल्प में अपनी सहभागिता रखी है। जिसका अनावरण ऑन लाइन और ऑफ लाइन के माध्यम से विचार संस्था कार्यालय में किया गया संस्था की सचिव आकांक्षा मलैया ने ऑन लाइन मीटिंग द्वारा अपनी बात रखते हुए बताया कि आप सभी के सहयोग से यह संभव हो पाया है। साथ ही सभी शिक्षा प्रेरकों द्वारा जरूरतमंद बच्चों को इस कोरोना संकटकाल में इस अभियान से जुड़ने पर आभार जताया अंत्योदय शिक्षा प्रेरक अभियान प्रभारी पूजा पड़ेले ने कहा कि जो बच्चे शिक्षा से वंचित हैं उन्हें सुविधा प्रदान कराना हमारा उद्देश्य है हमें हर उस आखिरी बच्चे तक पहुंचना है जिनको शिक्षा नहीं मिल पा रही है शिक्षा प्रेरक मीना पटैल ने कहा कि कोविड 19 के चलते कई बच्चे शिक्षाविहीन हो गए। क्लासें लगने के बाद भी संसाधन के अभाव में बच्चे शामिल नहीं हो पा रहे अधिकांश बच्चे ऐसे आ रहे हैं जो स्कूलों में नहीं पहुंच पा रहे हैं।

इस स्थिति में विचार संस्था की इस मुहिम से हम ऐसे बच्चों को शिक्षा देने में सफल हो रहे हैं योजना का उद्देश्य कोरोनाकाल के चलते आर्थिक मंदी से जूझ रहे बच्चों को शिक्षा देना है कांग्रेस के 136 वें स्थापना दिवस पर शहर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा की सभी गतिविधियों में लगने वाली सामग्री विचार संस्था मुहैया कराती है।

॥ विचार संस्था ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए QR कोड को स्कैन करें.

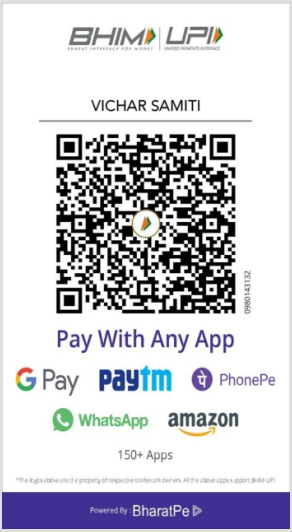

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com
Facebook : Vichar Sanstha
Youtube : Vichar Samachar
Ph. No. : 9575737475, 9009780042
Address : 258/1, Tilakganj, Behind Adinath Cars Ltd, Sagar (M.P.) 470002